भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2865

जिसका उत्तर 05.12.2019 को दिया जाना है

तमिलनाडु में सड़क परियोजनायें

2865. श्री टी॰आर॰वी॰एस॰ रमेशः

श्री सु॰ थिरुनवुक्करासरः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 2014 के बाद से कुड्डालोर जिले सहित तमिलनाडु राज्य में निर्मित एक्सप्रेसवे और अन्य श्रेणी की सड़कों की लंबाई का वर्ष और श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तमिलनाडु में राजमार्ग परियोजनाओं के विकास के लिए एक लाख और पचास हजार करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में पूरी की गई, जारी और शुरू की जाने वाली परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) तमिलनाडु में और अधिक पुलों और फ्लाई ओवरों को बनाने के लिए और तमिलनाडु में एन॰एच॰ पर दुर्घटना वाले स्थानों को हटाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क): मंत्रालय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और अनुरक्षण के लिए मुख्यत: जिम्मेवार है। इस मंत्रालय द्वारा दी गई निधियों से 2014 से तमिलनाडु राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों और निर्मित सड़कों की अन्य श्रेणीयों की लंबाई का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

कार्यान्वयन एजेंसी	राज्य पीडब्ल्यूडी (एमओआरटीएच)		एनएचएआई	
वर्ष	एनएच लंबाई किमी	राज्य सड़क लंबाई (किमी)	एनएच लंबाई किमी	राज्य सड़क लंबाई (किमी)
2014-15	98.31	287.02	19.990	1.50
2015-16	119.10	50.20	109.411	0.00
2016-17	310.00	505.81	165.762	0.238
2017-18	250.83	798.42	53.070	0.100
2018-19	292.08	680.84	80.363	0.470
2019-20	80.12	594.22	55.353	0.00

(ख) और (ग): 2014 से, इस मंत्रालय ने तमिलनाडु राज्य में लगभग 38000 करोड़ रु. लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। आगे, 21816 करोड़ रु. की लागत से 3040 किमी लंबाई वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं पूरी हो गई है, 24560 करोड़ रु. की लागत वाली 1532 किमी लंबाई कवर करने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं कार्यान्वयन के अंतर्गत हैं। 2019-20 के दौरान 2911 किमी लंबाई कवर करने वाली परियोजना सौंपने हेतु प्रस्तावित हैं।

(घ): तमिलनाडु राज्य में छः लेवल क्रॉसिंग राज्यीय राजमार्ग विभाग को सौंपे गए राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों में सेतुभारतम परियोजना के तहत सड़क उपरी पुलों के साथ प्रतिस्थापित करने के लिए प्रस्तावित हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और अनुरक्षण एक सतत प्रक्रिया है और परियोजनाएं यातायात, निधियों की उपलब्धता और कार्य की पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर शुरू की जाती हैं। सभी ब्लैक स्पॉट को चरणबद्ध तरीके से अल्पकालिक/मध्यकालिक/दीर्घकालिक उपायों के साथ ठीक किया जा रहा है, जो निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

*****